परिशिष्ट १ शब्दरूपाणि

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» अकारान्त पुल्लिङ्ग 'बालक' के शब्दरूप

प्रश्न 1 (आसान). 'एक बालक ने' के लिए 'बालक' का कौन सा रूप आएगा?

उत्तर – बालकः

प्रश्न 2 (आसान). 'बहुत सारे बालकों' के लिए प्रथमा विभक्ति में क्या रूप होगा?

उत्तर – बालकाः

प्रश्न 3 (मध्यम). 'शिक्षक ने बालक को बुलाया' – इस वाक्य में 'बालक' के लिए द्वितीया विभक्ति का कौन सा रूप आएगा?

उत्तर – बालकम्

प्रश्न 4 (कठिन). अगर हमें कहना है 'दो बालक देखते हैं', तो 'बालक' का कौन सा रूप इस्तेमाल होगा?

उत्तर – बालकौ

» फल/लता/मुनि–आधार नियम के अनुसार शब्दरूप विस्तार

प्रश्न 5 (आसान). 'गृह' शब्द (नपुंसकलिङ्ग) के प्रथमा विभक्ति के रूप 'फल' के आधार पर क्या होंगे?

उत्तर – गृहम्, गृहे, गृहाणि

प्रश्न 6 (आसान). 'कथा' शब्द (स्त्रीलिङ्ग) के प्रथमा विभक्ति के रूप 'लता' के आधार पर क्या होंगे?

उत्तर – कथा, कथे, कथाः

प्रश्न 7 (मध्यम). 'कवि' शब्द (पुल्लिङ्ग) के द्वितीया विभक्ति के रूप 'मुनि' के आधार पर क्या होंगे?

उत्तर – कविम्, कवी, कवीन्

प्रश्न 8 (कठिन). 'नदी' शब्द (स्त्रीलिङ्ग) का 'लता' से क्या संबंध है? क्या 'नदी' के रूप 'लता' जैसे चलेंगे?

उत्तर – नहीं, 'नदी' 'ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग' है जबकि 'लता' 'आकारान्त स्त्रीलिङ्ग' है। इनके रूप अलग चलेंगे। हमें अन्त (ending) और लगि दोनों देखने होते हैं।

» इकारान्त पुल्लिङ्ग 'पति' और आगे के 'मुनि के समान' शब्द

प्रश्न 9 (आसान). 'पति' शब्द का प्रथमा द्विवचन रूप क्या है?

उत्तर – पती

प्रश्न 10 (आसान). 'पति' शब्द का द्वितीया एकवचन रूप क्या है?

उत्तर – पतिम्

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर 'भूपति' शब्द 'मुनि' के समान चलता है, तो 'एक राजा ने' के लिए क्या रूप होगा?

उत्तर – भूपतिः (क्योंकि 'मुनि' का प्रथमा एकवचन 'मुनिः' होता है)

प्रश्न 12 (कठिन). 'पति' शब्द का तृतीया एकवचन और षष्ठी द्विवचन रूप क्या होगा?

उत्तर – तृतीया एकवचन: पत्या, षष्ठी द्विवचन: पत्योः

» ऋकारान्त, ओकारान्त और उकारान्त शब्दों के शब्दरूप

प्रश्न 13 (आसान). शब्द 'मातृ' का प्रथमा विभक्ति एकवचन रूप लिखिए।
उत्तर – माता

प्रश्न 14 (आसान). शब्द 'गो' का प्रथमा विभक्ति एकवचन रूप लिखिए।
उत्तर – गौः

प्रश्न 15 (मध्यम). रिक्त स्थान भरिए: 'हे _____! त्वं कुत्र गच्छसि?' (यहाँ 'पिता' शब्द का संबोधन एकवचन रूप लगाएँ।)
उत्तर – हे पितः!

प्रश्न 16 (कठिन). शब्द 'धेनु' का सप्तमी विभक्ति बहुवचन रूप क्या होगा?
उत्तर – धेनुषु

» नकारान्त/सकारान्त शब्दरूप: राजन्, भवन्त्, आत्मन्, चन्द्रमस्

प्रश्न 17 (आसान). समबोधन (एकवचन) का सही रूप बताओ: “हे राजन्!” किस शब्दरूप में है?
उत्तर – राजन् (नकारान्त पुल्लिङ्ग)

प्रश्न 18 (आसान). चन्द्रमस् (सकारान्त) में सप्तमी (एकवचन) क्या होगा?
उत्तर – चन्द्रमसि

प्रश्न 19 (मध्यम). आत्मन् में षष्ठी (एकवचन) लिखो।
उत्तर – आत्ममन:

प्रश्न 20 (मध्यम). राजन् में द्वितीया (एकवचन) क्या होगा?
उत्तर – राजानम्

प्रश्न 21 (कठिन). भवन्त् (आप) में समबोधन (द्विवचन) और प्रथमा (बहुवचन) दोनों लिखो।
उत्तर – समबोधन (द्विवचन): हे भवन्तौतौ! ; प्रथमा (बहुवचन): भवन्त:

प्रश्न 22 (कठिन). राजन् में पञ्चमी (द्विवचन) और षष्ठी (बहुवचन) लिखो।
उत्तर – पञ्चमी (द्विवचन): राजभयाम् ; षष्ठी (बहुवचन): राज्ञाम्

» संरचना: सर्वनामों के शब्दरूप और सम्बोधन का नियम

प्रश्न 23 (आसान). सर्वनामों का सम्बोधन होता है या नहीं?
उत्तर – नहीं, सर्वनामों का सम्बोधन नहीं होता।

प्रश्न 24 (आसान). ‘यत्’ (पुंल्लिङ्ग) एकवचन प्रथमा क्या होगा?
उत्तर – य: (यत्/यः)

प्रश्न 25 (मध्यम). ‘यत्’ (स्त्रीलिङ्ग) एकवचन प्रथमा और द्वितीया लिखो।
उत्तर – प्रथमा: या, द्वितीया: याम्।

प्रश्न 26 (कठिन). ‘एतत्’ (नपुंसकलिङ्ग) एकवचन प्रथमा और बहुवचन द्वितीया लिखो।
उत्तर – एकवचन प्रथमा: एतत्, बहुवचन द्वितीया: एतानि।

» संख्यावाचक शब्द–परिमाण/मात्रा से लेकर क्रमसूचक तक

प्रश्न 27 (आसान). “एक” का प्रथमा-विभक्ति में पुल्लिंग रूप क्या है?
उत्तर – एक:

प्रश्न 28 (आसान). “द्वितीय” शब्द (क्रमसूचक) पुल्लिंग में कैसे लिखते हैं (प्रचलित तालिका-रूप)?
उत्तर – द्वितीय:

प्रश्न 29 (मध्यम). “द्वि” (दो) के लिए द्वितीया-विभक्ति में नपुंसक का रूप लिखो।

उत्तर – द्वे (द्वेः / पाठानुसार ‘द्वे’)

प्रश्न 30 (कठिन). वाक्य: “_____ विद्या उपयुज्यते।” यहाँ ‘तीन’ (मात्रा) देनी है और “विद्या” स्त्रीलिंग है। कर्म/वाक्य में ‘उपयुज्यते’ के कारण ‘विद्या’ कर्ता-प्रथमा है। ‘तीन’ का कौन-सा रूप लिखोगे?

उत्तर – ‘तिस्रः’ क्योंकि ‘त्रि’ का प्रथमा स्त्रीलिंग रूप ‘तिस्रः’ है; इसलिए वाक्य होगा: “तिस्रः विद्या उपयुज्यते।”

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. अगर हमें 'दो बालकों को' कहना हो, तो 'बालक' का कौन सा रूप इस्तेमाल होगा?

› सबसे पहले, यह पहचानो कि 'दो बालकों' है, तो यह द्विवचन होगा।

› दूसरा, 'को' का अर्थ आ रहा है, इसलिए यह द्वितीया विभक्ति होगी।

› अब, द्वितीया विभक्ति के द्विवचन का 'बालक' शब्दरूप याद करो।

› वह रूप 'बालकौ' होता है।

उत्तर – बालकौ

उदाहरण 2. अगर आपको 'पुस्तक' शब्द के प्रथमा विभक्ति के रूप बनाने हैं, तो कैसे बनेंगे?

› पहले पहचानो 'पुस्तक' कौन से 'लिंग' और 'अन्त' का शब्द है। 'पुस्तक' का अन्त 'अ' से हो रहा है (पुस्तक् + अ) और यह 'नपुंसकलिङ्ग' है।

› अब देखो हमने 'फल' के रूप कैसे याद किए थे - 'फलम्, फले, फलानि'।

› तो 'पुस्तक' के रूप भी ऐसे ही चलेंगे। एकवचन में 'पुस्तकम्', द्विवचन में 'पुस्तके', और बहुवचन में 'पुस्तकानि'।

उत्तर – पुस्तकम्, पुस्तके, पुस्तकानि

उदाहरण 3. संस्कृत में 'एक पति ने' और 'दो पतियों को' लिखिए।

› सबसे पहले, 'एक पति ने' के लिए 'पति' शब्द की कर्ता कारक एकवचन की विभक्ति देखनी होगी। कर्ता कारक के लिए प्रथमा विभक्ति का प्रयोग होता है। प्रथमा एकवचन 'पतिः' है। 'ने' कारक चिह्न संस्कृत में प्रथमा विभक्ति में ही शामिल हो जाता है, अलग से नहीं लगता।

› अब, 'दो पतियों को' के लिए 'पति' शब्द की कर्म कारक द्विवचन की विभक्ति देखनी होगी। कर्म कारक के लिए द्वितीया विभक्ति का प्रयोग होता है। द्वितीया द्विवचन 'पती' है। 'को' कारक चिह्न भी द्वितीया विभक्ति में ही आ जाता है।

› तो 'एक पति ने' बनेगा 'पतिः' और 'दो पतियों को' बनेगा 'पती'।

› अब अगर मुझे 'बहुत सारे पति' बोलना हो तो क्या होगा? प्रथमा बहुवचन, 'पतयः'।

उत्तर – पतिः, पती

उदाहरण 4. संस्कृत में 'मैंने पिता को देखा' वाक्य बनाइए।

› पहले क्रिया पहचानिए: 'देखा' मतलब 'पश्यति' या 'अपश्यत्' (भूतकाल)।

› कर्ता पहचानिए: 'मैंने' मतलब 'अहम्' (मैं)।

› कर्म पहचानिए: 'पिता को'। यहाँ 'पिता' शब्द कर्म है, तो हमें 'पितृ' शब्द का 'द्वितीया विभक्ति एकवचन' रूप लगाना होगा। 'पितृ' के द्वितीया एकवचन में 'पितरम्' आता है।

› पूरा वाक्य जोड़िए: 'अहम् पितरम् अपश्यम्' (मैंने पिता को देखा)।

उत्तर – अहम् पितरम् अपश्यम्।

उदाहरण 5. विभक्ति-रूप लिखो: "आप" के लिए वाक्य है– "हे भवन्!" (समबोधन, एकवचन)। और "आपको" (द्वितीया, एकवचन)।

› समबोधन पहचानो: 'हे' से शुरू हो रहा है। एकवचन है।
› समबोधन के लिए भवन्त् की टेबल देखो: 'हे भवन्!' लिखो।
› अब 'आपको' में सीधा कर्म है, इसलिए द्वितीया (एकवचन) लगेगी।
› भवन्त् की टेबल में द्वितीया एकवचन लो: 'भवन्तम्' नहीं–सही रूप 'भवन्तम्' ही है।

उत्तर – समबोधन (एकवचन): "हे भवन्!"; द्वितीया (एकवचन) "भवन्तम्"।

उदाहरण 6. निम्नलिखित सर्वनाम का (पुंल्लिङ्ग) प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति में रूप लिखो: 'यत्' (जजो)।

› पहले सर्वनाम 'यतत् (जजो)' को पहचानो–यह पुल्लिंग समूह है।
› तालिका में प्रथमा देखो: एकवचन में 'यः' और बहुवचन में 'ये'। (द्विवचन 'यौ') भी वहीं मिलता है।
› तालिका में द्वितीया देखो: एकवचन में 'यम्' और बहुवचन में 'यान्'। (द्विवचन में 'यौ') भी वहीं मिलता है।
› याद रखो: सम्बोधन नहीं होता, इसलिए 'हे ...' लिखने की जरूरत नहीं।

उत्तर – प्रथमा: एकवचन 'यः', द्विवचन 'यौ', बहुवचन 'ये'। द्वितीया: एकवचन 'यम्', द्विवचन 'यौ', बहुवचन 'यान्'।

उदाहरण 7. निम्न वाक्य में सही रूप लिखो: "_____ छात्रः कक्षायां पठति" – यहाँ 'दो' (मात्रा) देना है और 'छात्रः' पुल्लिंग है। वाक्य कर्ता है (प्रथमा)।

› यहाँ 'दो' = परिमाण (मात्रा), इसलिए शब्द 'द्वि' चुनो
› 'छात्रः' पुल्लिंग है
› वाक्य 'छात्रः... पठति' में छात्र कर्ता है, इसलिए विभक्ति = प्रथमा
› 'द्वि' की प्रथमा तालिका से पुल्लिंग रूप चुनो: 'प्रथमा द्वौ:' (पाठ में 'प्रथमा द्वौौ' जैसा रूप दिया है)

उत्तर – "द्वौ: छात्रः कक्षायां पठति।"

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह बालक के शब्दरूप अक्सर बोर्ड परीक्षा में सीधे-सीधे प्रथमा से सप्तमी तक लिखने के लिए आ जाते हैं, या फिर वाक्य में खाली जगह भरने के लिए सही शब्दरूप पहचानने को आता है। इन्हें याद करना बहुत महत्वपूर्ण है!
• बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'पति' या 'मुनि' जैसे इकारान्त पुल्लिङ्ग शब्दों के विभिन्न विभक्तियों के रूप लिखने को आते हैं। 'पति' के विशेष रूपों को ध्यान से याद करना, क्योंकि यह 'मुनि' से अलग होता है। एक या दो विभक्तियों के द्विवचन या बहुवचन रूप अक्सर पूछे जाते हैं।
• बोर्ड परीक्षा में 'पितृ' और 'मातृ' के शब्द रूप बहुत बार पूछे जाते हैं, खासकर प्रथमा, द्वितीया, षष्ठी और सप्तमी के रूप। इन्हें अच्छे से रट लेना।
• बोर्ड में अक्सर 'विभक्ति-रूप लिखिए' आता है–समबोधन और द्विवचन पर खास ध्यान दो।
• लिखते समय "हे ..." बिल्कुल मत लिखो; सर्वनामों का सम्बोधन नहीं होता–केवल विभक्ति-रूप लिखो।
• क्रमसूचक (प्रथम-द्वितीय...) में भी लिंग-रूप बदलता है–इसे जरूर याद रखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› अकारान्त पुल्लिङ्ग बालक शब्दरूप: वाक्य में शब्द का कार्य बताता है, विभक्ति-वचन अनुसार बदलता है।
› इकारान्त पुल्लिङ्ग 'पति' के विशेष रूप; अन्य 'इकारान्त पुल्लिङ्ग' 'मुनि' के समान।
› ऋकारान्त (पितृ), ओकारान्त (गो), उकारान्त (धेनु) के रूप लिंगानुसार याद रखें।
› - 'हे' = समबोधन; 'में' = सप्तमी–राजन्/भवन्त्/आत्मन्/चन्द्रमस् टेबल से रूप उठाओ।
› - "सर्वनाम = सम्बोधन-शून्य" याद रखो।

› पहले: मात्रा/क्रम; फिर: विभक्ति-लिंग